

26 मार्च 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

सामाजिक न्याय:

1. भारत में टीबी नियंत्रण के लिए व्यक्ति-केंद्रित समाधान की आवश्यकता है:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

1. तपेदिक का सही निदान:

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध:

1. पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार संबंधों को पुनर्जीवित करने पर विचार कर रहा है:

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. 'स्टेटियो शिव शक्ति' को चंद्रयान -3 लैंडिंग साइट के नाम के रूप में अनुमोदित किया गया है: आधिकारिक पुष्टि
2. केरल में कण्ठमाला रोग के पुनरुत्थान पर:
3. हाथी स्थानांतरण के नए नियम क्या हैं?
4. अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए, स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से अंग दाताओं के डेटा संकलित करने में कमियों को दूर करने को कहा है:
5. भारत बायोटेक ने भारत में स्पेनिश तपेदिक वैक्सीन का क्लिनिकल परीक्षण शुरू किया:
6. क्या 'अच्छी आवाज़' (हेल्दी रीफ साउंड्स) प्रवाल द्वीपों को विरंजन से उबरने में मदद कर सकती है?

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

भारत में टीबी नियंत्रण के लिए व्यक्ति-केंद्रित समाधान की आवश्यकता है:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

सामाजिक न्याय:

विषय: स्वास्थ्य से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: टीबी उन्मूलन के मुद्दे और भावी कदम।

विवरण:

- महत्वाकांक्षी उन्मूलन लक्ष्यों के बावजूद विश्व स्तर पर टीबी (TB) और विशेष रूप से भारत में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है।
- कई व्यक्तियों के लिए निदान और उपचार सहित गुणवत्तापूर्ण टीबी देखभाल तक पहुंच का अभाव है।

- स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के भीतर टीबी रोगियों की जरूरतों और अनुभवों को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर देते हुए एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता है।

जीवंत अनुभवों को समझना:

- ऐतिहासिक रूप से, टीबी देखभाल ने अक्सर प्रभावित व्यक्तियों के जीवन के अनुभवों को नजरअंदाज कर दिया है।
- टीबी से बचे लोगों ने इसकी वकालत करते हुए इस समुदाय की जरूरतों को उजागर करने में मदद की है, जिसके परिणामस्वरूप पोषण संबंधी सहायता और कलंक को संबोधित करने जैसे कुछ नीतिगत बदलाव हुए हैं।
- हालांकि, अभी भी नीतिगत इरादे और जमीनी हकीकतों के बीच एक अंतर है, विशेष रूप से निदान और उपचार तक पहुंच के मामले में।

देखभाल को और अधिक मानवीय बनाना:

- मानसिक स्वास्थ्य सहायता और लिंग-उत्तरदायी देखभाल प्रदान करने सहित टीबी देखभाल को अधिक मानवीय बनाने के प्रयासों की आवश्यकता है।
- व्यापक देखभाल वितरण के लिए समुदाय-आधारित टीबी देखभाल मॉडल को मजबूत करना और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों को सशक्त बनाना महत्वपूर्ण है।
- कलंक, भेदभाव और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के साथ-साथ उपचार के दुष्प्रभावों को संबोधित करना, देखभाल में सुधार के महत्वपूर्ण पहलू हैं।

सामाजिक-आर्थिक निर्धारकों और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना:

- टीबी हाशिए पर रहने वाले समूहों को असंगत रूप से प्रभावित करती है और यह न केवल एक स्वास्थ्य संकट है बल्कि एक आर्थिक संकट भी है।

- गरीबी उन्मूलन, बेहतर पोषण और बेहतर आवास सहित सामाजिक-आर्थिक निर्धारकों को संबोधित करने के लिए बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है।
- एआई और डिजिटल स्वास्थ्य समाधान जैसी प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने से टीबी देखभाल वितरण और निगरानी को बढ़ाने में मदद मिलती है।
- दीर्घकालिक टीबी नियंत्रण और उन्मूलन प्रयासों के लिए बेहतर टीके विकसित करने में निवेश महत्वपूर्ण है।

सारांश:

- भारत में महत्वाकांक्षी उन्मूलन लक्ष्यों के बावजूद टीबी एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। व्यक्ति-केंद्रित समाधानों को प्राथमिकता देने, जीवंत अनुभवों को समझने, देखभाल को अधिक मानवीय बनाने, सामाजिक-आर्थिक निर्धारकों को संबोधित करने और उन्नत टीबी नियंत्रण के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

तपेदिक का सही निदान:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

विषय: जैव प्रौद्योगिकी।

मुख्य परीक्षा: टीबी के लिए नई निदान तकनीकों का पता लगाने की आवश्यकता।

विवरण:

- संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals) के तहत वर्ष 2030 तक इसे खत्म करने के लक्ष्य के साथ तपेदिक (टीबी) एक वैश्विक स्वास्थ्य चिंता बनी हुई है।
- भारत का लक्ष्य वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले टीबी को खत्म करना है, जिसमें महत्वपूर्ण प्रगति देखी गई है।

टीबी निदान में चुनौतियाँ:

- विश्व स्तर पर टीबी देखभाल में निदान को सबसे कमजोर कड़ी के रूप में पहचाना जाता है।
- वर्ष 2022 में 7.5 मिलियन टीबी मामलों का निदान होने के बावजूद, लगभग 3.1 मिलियन मामलों का निदान नहीं हो पाया है।
- प्रभावी टीबी उपचार सटीक निदान पर निर्भर है। इस प्रकार, टीबी महामारी को समाप्त करने के लिए निदान में सुधार महत्वपूर्ण है।

टीबी निदान में सुधार:

- मौजूदा प्रणालियों का उपयोग और नई, सिद्ध प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करते हुए प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने से टीबी निदान को बढ़ाया जा सकता है।
- स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं को बढ़ाना आवश्यक है। हाल के अध्ययन लक्षण-आधारित स्क्रीनिंग की सीमाओं पर जोर देते हैं।
- पोर्टेबल डिवाइस और एआई-संचालित सॉफ्टवेयर सहित उन्नत एक्स-रे इमेजिंग, कुशल टीबी का पता लगाने की पेशकश करती है।
- न्यूक्लिक एसिड एम्पलीफिकेशन टेस्ट (एनएएटी) जैसे आणविक परीक्षण तेजी से और सटीक निदान प्रदान करते हैं, लेकिन पहुंच और लागत चिंता का विषय बनी हुई है।
- जीभ के स्वाब जैसी वैकल्पिक नमूना संग्रह तकनीकों की खोज से पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण में सुधार हो सकता है और नैदानिक लागत कम हो सकती है।
- पीसीआर मशीनों का लाभ उठाना, जो कि कोविड-19 के बाद व्यापक रूप से उपलब्ध है, नैदानिक पहुंच का विस्तार करने में सहायता कर सकती है।
- मूत्र एलएएम परीक्षण (urine LAM test) जैसे तीव्र परीक्षण प्रभावी जांच की क्षमता प्रदान करते हैं, जिसमें फुफ्फुसीय और अतिरिक्त-फुफ्फुसीय टीबी के मामले भी शामिल हैं।

नवाचार और कार्यान्वयन को बढ़ावा देना:

- टीबी डायग्नोस्टिक्स पाइपलाइन आशाजनक नवीन परीक्षण प्रदान करती है, जिसके लिए तेजी से सत्यापन और अपनाने की आवश्यकता होती है।
- वंचित आबादी तक पहुंचने के लिए प्वाइंट-ऑफ-केयर परीक्षण महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, उप-जिला स्तर पर कार्यान्वयन और क्षमता निर्माण को सुव्यवस्थित करना अत्यावश्यक है।
- नई प्रौद्योगिकियों की सक्रिय तैनाती और निदान ढांचे में मामूली समायोजन भारत के टीबी उन्मूलन प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

सारांश:

- भारत का लक्ष्य वैश्विक लक्ष्य से पहले टीबी को खत्म करना है। हालाँकि प्रगति सराहनीय है, लेकिन निदान एक चुनौती बनी हुई है। स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं में सुधार और उन्नत प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार संबंधों को पुनर्जीवित करने पर विचार कर रहा है:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध

मुख्य परीक्षा: आतंकवाद के बीच पाकिस्तान के साथ व्यापार संबंधों को फिर से शुरू करना।

संदर्भ: भारत के साथ व्यापार को पुनर्जीवित करने पर पाकिस्तान का विचार

- पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने लंदन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार संबंधों को पुनर्जीवित करने पर विचार कर रहा है।
- डार ने उल्लेख किया कि पाकिस्तानी व्यापारियों ने इस मामले पर उनसे संपर्क किया था, जिस वाक्य ने इस मुद्दे की गंभीर जांच के लिए उन्हें प्रेरित किया।

- उन्होंने भारत के साथ व्यापार के संबंध में कोई भी निर्णय लेने से पहले सभी हितधारकों के साथ गहन चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया।

आतंकवाद पर भारत की प्रतिक्रिया और रुख:

- भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद के कथित समर्थन के लिए पाकिस्तान की आलोचना की और इसे "उद्योग-स्तर" का बताया।
- जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान के साथ भविष्य की किसी भी बातचीत में आतंकवाद के इस गंभीर मुद्दे का समाधान होना चाहिए।
- उन्होंने आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और इस चुनौती का ईमानदारी से सामना करने की आवश्यकता पर जोर दिया, भले ही इसकी कठिनाई कुछ भी हो।

भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार संबंधों पर पृष्ठभूमि:

- भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार को 2019 में पुलवामा बमबारी और जम्मू और कश्मीर के संबंध में भारत के संवैधानिक संशोधनों जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं के बाद व्यवधान का सामना करना पड़ा।
- पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से मोस्ट फेवर्ड नेशन (Most Favoured Nation (MFN)) का दर्जा वापस ले लिया था और व्यापार पर टैरिफ बढ़ा दिया था।
- जम्मू-कश्मीर में भारत के बदलावों के जवाब में पाकिस्तान ने भारत के साथ सीधे व्यापार संबंधों को निलंबित कर दिया था।

व्यापार बहाली की आशा और सकारात्मक प्रतिक्रिया का आह्वान:

- व्यापार बंद होने से अटारी-वाघा भूमि सीमा पर व्यवसायियों और ट्रांसपोर्टरों पर विशेष प्रभाव पड़ा।

- अमृतसर स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स ने डार की टिप्पणी के बाद व्यापार संबंधों पर पुनर्विचार की उम्मीद जताई है।
- व्यवसायी अशोक सेठी ने दोनों देशों के बीच आर्थिक गतिविधियों को सामान्य बनाने के पारस्परिक लाभों पर जोर देते हुए भारत सरकार से सकारात्मक प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया है।

सारांश:

- पाकिस्तान के विदेश मंत्री भारत के साथ व्यापार को पुनर्जीवित करने पर विचार कर रहे हैं, जिससे बहस छिड़ गई है। भारत आतंकवाद की चिंताओं पर जोर देता है। वही दूसरी ओर द्विपक्षीय तनाव के कारण 2019 से व्यापार बाधित है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. 'स्टेटियो शिव शक्ति' को चंद्रयान -3 लैंडिंग साइट के नाम के रूप में अनुमोदित किया गया है:

आधिकारिक पुष्टि**संदर्भ:**

- अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ के ग्रह प्रणाली नामकरण कार्य समूह ने हाल ही में चंद्रयान -3 (Chandrayaan-3's) के विक्रम लैंडर लैंडिंग साइट के लिए "स्टेटियो शिव शक्ति" नाम को मंजूरी दी है।

सम्बन्धित जानकारी:

- यह पुष्टि ग्रहों की सतह की विशेषताओं के नामकरण के लिए IAU द्वारा निर्धारित सख्त दिशानिर्देशों का पालन करता है।
- IAU नियम 9 के अनुसार, 19वीं शताब्दी से पहले के ऐतिहासिक राजनीतिक हस्तियों को छोड़कर, राजनीतिक, सैन्य या धार्मिक अर्थ वाले नाम निषिद्ध हैं।

- भारतीय पौराणिक कथाओं में पुरुषत्व ("शिव") और स्त्रीत्व ("शक्ति") की दोहरी प्रकृति के चित्रण के लिए "स्टेटियो शिव शक्ति" को चुना गया था।

महत्व:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मानवता के कल्याण के लिए "शिव" और संकल्पों को पूरा करने की शक्ति प्रदान करने के लिए "शक्ति" के महत्व का हवाला देते हुए इस नाम की घोषणा की।
- यह नामकरण ग्रहों की विशेषताओं के लिए विशिष्ट पहचानकर्ता प्रदान करने, वैज्ञानिक चर्चा और अन्वेषण को सुविधाजनक बनाने के आईएयू के लक्ष्य के अनुरूप है।

2. केरल में कण्ठमाला रोग के पुनरुत्थान पर:

संदर्भ:

- केरल में कण्ठमाला (mumps) रोग के पुनरुत्थान ने सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों और विशेषज्ञों के बीच चिंता पैदा कर दी है।

सम्बन्धित जानकारी:

- पारंपरिक रूप से बच्चों को प्रभावित करने वाले वायरल संक्रमण के मामलों में न केवल केरल में बल्कि महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे कई अन्य राज्यों में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।
- एक स्व-सीमित बीमारी होने के बावजूद, कण्ठमाला (mumps) मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (meningoencephalitis), अग्राशयशोथ (pancreatitis) और यहां तक कि लंबे समय में बांझपन (infertility) जैसी जटिलताओं का कारण बन सकती है।
- इस रोग के मामलों में वृद्धि के पीछे एक कारण राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में कण्ठमाला रोग के टीकाकरण की कमी है।

- यद्यपि खसरा जैसी बीमारियों को उनकी रुग्णता और मृत्यु दर के कारण प्राथमिकता दी जाती है, जबकि इसके संभावित दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों के बावजूद कण्ठमाला रोग को नजरअंदाज कर दिया गया है।
- कण्ठमाला रोग के वर्तमान प्रकोपों को नियंत्रित करने के लिए, स्वास्थ्य अधिकारी जन जागरूकता, संक्रमित व्यक्तियों के अलगाव और विशेष रूप से बिना टीकाकरण वाले बच्चों और किशोरों के बीच टीकाकरण कवरेज में सुधार के महत्व पर जोर देते हैं।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization) द्वारा सुझाई गई रणनीतियाँ मौजूदा खसरा और रूबेला नियंत्रण प्रयासों के साथ कण्ठमाला टीकाकरण को एकीकृत करने की वकालत करती हैं।

महत्व:

- अपने यूआईपी में एमआर वैक्सीन को एमएमआर से बदलने की केरल की पहल कण्ठमाला रोग के पुनरुत्थान को रोकने की तात्कालिकता को दर्शाती है।
- कण्ठमाला के पुनरुत्थान से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए राज्य और केंद्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों के बीच एक समन्वित प्रयास आवश्यक है।
- कण्ठमाला के टीकाकरण को नियमित टीकाकरण कार्यक्रमों में एकीकृत करके और सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाकर, हम इस रोकथाम योग्य बीमारी के प्रभाव को कम कर सकते हैं और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं।

3. हाथी स्थानांतरण के नए नियम क्या हैं?

संदर्भ:

- हाल ही में अधिसूचित कैष्टिव हाथी (स्थानांतरण या परिवहन) नियम, 2024 ने भारत में हाथियों के हस्तांतरण और स्वामित्व पर उनके निहितार्थ पर बहस छेड़ दी है।

सम्बन्धित जानकारी:

- इन नियमों के तहत, विभिन्न परिस्थितियों में बंदी हाथियों के स्थानांतरण की अनुमति देते हुए कुछ छूट प्रदान की गई है।
- हालाँकि बंदी हाथियों का उपयोग ऐतिहासिक रूप से वन प्रबंधन, धार्मिक उद्देश्यों और पूर्व शाही परिवारों द्वारा किया जाता रहा है, जबकि सख्त नियम उनके स्वामित्व और हस्तांतरण को नियंत्रित करते हैं।
- अद्यतन नियम अधिक लचीलापन प्रदान करते हैं, जिससे स्थानांतरण की अनुमति मिलती है जब वर्तमान मालिक हाथी को बनाए रखने में असमर्थ होता है या जब मुख्य वन्यजीव वार्डन द्वारा आवश्यक समझा जाता है।
- हालाँकि, शोषण और अवैध तस्करी की संभावना के संबंध में चिंताएँ व्यक्त की गई हैं।
- आलोचकों का तर्क है कि यह संशोधन हाथियों के स्वामित्व के व्यावसायीकरण को बढ़ावा दे सकते हैं और उनकी जंगली आबादी को खतरे में डाल सकते हैं।
- गुजरात में रिलायंस फाउंडेशन से संबद्ध चिड़ियाघर जैसे बड़े निजी चिड़ियाघरों की स्थापना की जांच तेज हो गई है।
- रिपोर्टों से पता चलता है कि इन सुविधाओं में बड़ी संख्या में हाथी रहते हैं, जिससे उनकी उत्पत्ति और कल्याण पर सवाल उठते हैं।
- जंगल से हाथियों को लाने के आरोपों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है।

महत्व:

- जंगली आबादी की रक्षा और शोषण को रोकने के संरक्षण प्रयासों के साथ बंदी हाथियों के कल्याण को संतुलित करना महत्वपूर्ण है।

- इन अनोखे जानवरों के साथ नैतिक व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए हाथियों के स्वामित्व और प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है।

4. अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए, स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से अंग दाताओं के डेटा संकलित करने में कमियों को दूर करने को कहा है:

संदर्भ:

- केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने कई राज्यों द्वारा जीवित और मृत दाताओं पर महत्वपूर्ण डेटा संकलित करने में विफल रहने पर चिंता व्यक्त की है, जो अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम की निगरानी और अवैध अंग व्यापार को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।

सम्बन्धित जानकारी:

- मंत्रालय ने दानदाताओं और प्राप्तकर्ताओं की राष्ट्रीय रजिस्ट्री बनाए रखने के लिए प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं का संचालन करने वाले अस्पतालों को राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (National Organ and Tissue Transplant Organisation (NOTTO)) के साथ जोड़ने के महत्व पर प्रकाश डाला है।
- इसने एनओटीटीओ को प्रत्यारोपण से संबंधित डेटा और मासिक रिपोर्ट के नियमित अपडेट की आवश्यकता पर जोर दिया है।
- गैर-अनुपालन के परिणामस्वरूप मानव अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत दंडनीय हो सकता है।
- यह सलाह नैतिक प्रत्यारोपण प्रथाओं को सुनिश्चित करने और प्रत्यारोपण प्रतीक्षा सूची में भारतीय रोगियों को प्राथमिकता देने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय रजिस्ट्री के महत्व को रेखांकित करती है।

महत्व:

- यह प्रत्यारोपण अस्पतालों से मृतक अंग दान को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने और ब्रेन स्टेम मृत्यु प्रमाणन के लिए प्रोटोकॉल स्थापित करने का आग्रह करता है। यह सलाह अंग तस्करी के आरोपों को संबोधित करने के लिए NOTTO के प्रयासों का अनुसरण करती है और अंग प्रत्यारोपण में पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व को रेखांकित करती है।

5. भारत बायोटेक ने भारत में स्पेनिश तपेदिक वैक्सीन का क्लिनिकल परीक्षण शुरू किया:

संदर्भ:

- भारत में एमटीबीवीएसी ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) वैक्सीन का क्लिनिकल परीक्षण शुरू हो गया है, जो संक्रामक बीमारी के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण प्रगति है।

सम्बन्धित जानकारी:

- भारत बायोटेक के सहयोग से स्पेनिश बायोफार्मास्युटिकल कंपनी बायोफैब्री द्वारा विकसित, यह टीका मौजूदा बीसीजी वैक्सीन का एक आशाजनक विकल्प प्रदान करता है।
- बीसीजी के विपरीत, एमटीबीवीएसी को आनुवंशिक रूप से संशोधित किया गया है ताकि इसमें टीबी पैदा करने वाले रोगजनक माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के मानव-संक्रमित उपभेदों में मौजूद सभी एंटीजन शामिल हो सकें।
- अन्य देशों में बायोफैब्री द्वारा किए गए सफल चरण 1 और 2 परीक्षणों के बाद भारत बायोटेक भारत में चरण 3 का परीक्षण कर रहा है।
- टीके का लक्ष्य नवजात शिशुओं और वयस्कों दोनों के लिए बेहतर सुरक्षा और लंबे समय तक चलने वाली प्रतिरक्षा प्रदान करना है, जिससे अधिक प्रभावी टीबी रोकथाम उपायों की आवश्यकता को संबोधित किया जा सके।

महत्व:

- भारत वैश्विक स्तर पर टीबी के मामलों का एक महत्वपूर्ण बोझ वहन कर रहा है, ऐसे में ये परीक्षण एमटीबीवीएसी के विकास को आगे बढ़ाने और टीबी के प्रसार का मुकाबला करने में अत्यधिक महत्व रखते हैं।

6. क्या 'अच्छी आवाज़' (हेल्दी रीफ साउंड्स) प्रवाल द्वीपों को विरंजन से उबरने में मदद कर सकती है?

संदर्भ:

- जलवायु परिवर्तन विश्व स्तर पर एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करता है, जिसका मुख्य कारण जीवाश्म ईंधन का निष्कर्षण और जलाना है, जिससे तापमान में वृद्धि और पर्यावरणीय अस्थिरता होती है।

सम्बन्धित जानकारी:

- मूंगा चट्टानें, महत्वपूर्ण समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, महासागरों के गर्म होने और महासागरीय अम्लीकरण के परिणामस्वरूप अभूतपूर्व विनाश का सामना कर रहे हैं।
- प्रवाल भित्तियों के क्षरण को कम करने के लिए वैज्ञानिक नवीन रणनीतियाँ तलाश रहे हैं।
- उनके हाल के अध्ययन से पता चलता है कि हेल्दी रीफ साउंड्स से अवक्रमित क्षेत्रों में प्रवाल निपटान (coral settlement) दर बढ़ सकती है, जो संकट के बीच आशा की एक किरण है।
- इन हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आगे के अध्ययन और सावधानीपूर्वक कार्यान्वयन की आवश्यकता है।
- गौरतलब है कि प्रवाल स्वयं रंगहीन होते हैं। इनके रंग के लिए इसके शरीर के ऊपर रहने वाला जुक्सानथलाई शैवाल जिम्मेदार है। जब किन्हीं कारणों से यह रंगीन शैवाल प्रवाल के शरीर से अलग हो जाता है तो प्रवाल पुनः रंगहीन हो जाती है, इसी को कोरल ब्लीचिंग कहते हैं।

महत्व:

- चूंकि जलवायु परिवर्तन हमारे ग्रह पर लगातार प्रभाव डाल रहा है, इसलिए इसके मूल कारणों का समाधान करने और भावी पीढ़ियों के लिए मूंगा चट्टानों जैसे कमजोर पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. भारतीय संविधान में निम्नलिखित में से कौन से प्रावधान सही हैं?

कथन I. अनुच्छेद 14 - कानून के समक्ष समानता।

कथन II. धर्मनिरपेक्षता मूल संरचना का एक हिस्सा है जिसका उल्लेख संविधान में किया गया है।

कथन III. अनुच्छेद 16 - धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल I
- (b) केवल I और III
- (c) केवल II और III
- (d) I, II, और III

उत्तर: a

व्याख्या:

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा कारक भारत में जल संकट में योगदान देता है?

कथन 1. विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा का असमान वितरण।

कथन 2. अकुशल जल प्रबंधन प्रथाओं से बर्बादी होती है।

कथन 3: सिंचाई और पीने के उद्देश्यों के लिए पर्याप्त जल भंडारण सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका अधिक बांध बनाना है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल कथन 1 सत्य है
- (b) कथन 1 और 2 सत्य हैं
- (c) कथन 2 और 3 सत्य हैं
- (d) सभी तीन कथन सत्य हैं

उत्तर: b

व्याख्या:

प्रश्न 3. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- I. UNSC में वीटो शक्ति वाले 15 सदस्य हैं।
- II. यूएनएससी के गैर-स्थायी सदस्यों का चुनाव महासभा द्वारा दो साल के कार्यकाल के लिए किया जाता है।
- III. यूएनएससी के पास शांति बनाए रखने के लिए प्रतिबंध लगाने और सैन्य कार्रवाई को अधिकृत करने का अधिकार है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपरोक्त सभी

उत्तर: b

व्याख्या:

प्रश्न 4. अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- I. ग्रेवाटर रीसाइक्लिंग में पुनः उपयोग के लिए शॉवर और कपड़े धोने के अपशिष्ट जल का उपचार करना शामिल है।
- II. व्यापक उपचार के बाद ब्लैकवाटर रीसाइक्लिंग का उपयोग मुख्य रूप से पीने के पानी के प्रयोजनों के

लिए किया जाता है।

III. जल पुनर्चक्रण मीठे पानी के संसाधनों के संरक्षण और जल प्रदूषण को कम करने में मदद करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल I
- (b) II केवल
- (c) केवल I और III
- (d) I, II, और III

उत्तर: c

व्याख्या:

प्रश्न 5. संविधान द्वारा प्रदत्त शोषण के विरुद्ध अधिकार निम्नलिखित में से किस गतिविधि पर रोक लगाता है?

- (a) अल्पसंख्यकों का शोषण।
- (b) विकास गतिविधियों के कारण जबरन विस्थापन।
- (c) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति का शोषण।
- (d) मानवों की तस्करी और जबरन श्रम।

उत्तर: c

व्याख्या:

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. "दवा प्रतिरोधी उपभेदों की जटिलताओं पर जोर देते हुए तपेदिक (टीबी) के खिलाफ लड़ाई में भारत के सामने आने वाली बहुमुखी चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।" (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-3, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी] ("Discuss the multifaceted challenges India faces in its fight against tuberculosis (TB), emphasizing the complexities of drug-resistant strains." (10 marks, 150 words) [GS-3, Science & Technology])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

